महाविद्यालय ने की पहल

'बेनजीर' ने पेश की मिसाल, पेट भरेगा रोटी बैंक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय (पुराना बेनजीर) ने जरूरतमंद, गरीबों और मरीजों की मदद का अनोखा रास्ता निकाला है। महाविद्यालय ने शासकीय अस्पतालों में भर्ती गरीब मरीजों और उनके परिजनों की मदद के लिए रोटी बैंक शुरू किया है। महाविद्यालय प्रांगण में गुरुवार को इस बैंक की विधिवत शुरुआत प्राचार्य डॉ. विभा शुक्ला ने की। इस रोटी बैंक का नाम खुद का रोटी बैंक रखा गया है।

जानकारी के अनुसार महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना

महाविद्यालय में रोटी बैंक शुरू।

के तहत इस बैंक को संचालित किया जाएगा। इसे महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कार्यालय स्टॉफ और विद्यार्थी साझा रूप से संचालित करेंगे। इसमें कॉलेज आने वाले सभी लोग प्रति दिन एक से अधिक रोटी लाकर इस रोटी बैंक मे जमा करेंगे। बैंक में रोटियां दोपहर दो बजे तक एकत्रित की जाएंगी। इसके बाद महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के छात्र नजदीक के शासकीय अस्पतालों, एम्स आदि में भर्ती मरीजों के परिजनों को ये रोटियां वितरित करेंगे। प्राचार्य के अनुसार रोटी बैंक को शुरू करने का उद्देश्य है कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में सामाजिक प्रतिबद्धता का भी निर्माण हो। साथ ही पीड़ितों के प्रति सहानुभूति जागृत हो।

रोटी बैंक के शुभारंभ के अवसर पर डॉ. राकेश सक्सेना, डॉ. सरला पटेल, डॉ. जीपी यादव, एनएस अधिकारी डॉ. सुधांशुधर द्विवेदी, डॉ. एसके मल्होत्रा, डॉ. राजेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

कॉम्पटीशन की तैयारी कर रहे युवाओं की पहल

भविष्य के अफसर चला रहे रोटी बैंक

युवाओं का जज्बा

सेंट्रल लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा रोटी बैंक के जरिए रोजाना अस्पतालों में जाकर जरूरतमंदों को वितरित करते हैं रोटी...

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र अस्पतालों में बांट रहे रोटी

इमाम सिद्दीकी | भोपाल

सेंट्रल लाइब्रेरी में आईएएस, आईपीएस सहित रेलवे, बैंक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं ने अच्छी सामाजिक पहल की है। ये युवा न सिर्फ बेरोजगार हैं, बल्कि प्रतियोगी परीक्षा के लिए तैयारी में अधिक से अधिक समय देते हैं। उनके पास समय का अभाव है। बावजूद इसके उन्होंने अस्पतालों में जरूरतमंदों को रोजाना रोटी मुहैया कराने का संकल्प लिया और रोटी बैंक बना लिया। अब ये युवा रोजाना शहर के हमीदिया और सुल्तानिया अस्पताल जाकर जरूरतमंदों को रोटी-सब्जी मुहैया करा रहे हैं। पुराने शहर के निवासी विवेक श्रीवास की इस पहल पर लाइब्रेरी प्रबंधन ने भी अपनी सहमति देते हुए परिसर में रोटी बैंक के लिए बॉक्स रखा है। इसमें रोजाना यहां आने वाले युवा रोटी जमा कर रहे हैं।

आईएएस की तैयारी कर रहे हैं ये युवा

रोटी बैंक के सदस्य विवेक श्रीवास ने बताया कि जब वे लाइब्रेरी में पढ़ाई कर रहे थे तभी एक पुस्तक में करोड़ों लोगों के भूखे सोने की बात देखी तो उन्हें पीड़ा हुई। फिर उन्होंने दोस्तों के साथ प्लानिंग बनाई कि काम कैसे शुरू हो। इस संबंध में लाइब्रेरी प्रमुख डॉ वंदना शर्मा से चर्चा की तो उन्होंने परिसर में रोटी बैंक के लिए बॉक्स रखने व लोगों से सहयोग करने का कहा। फिर क्या था युवाओं ने संकल्प लेकर काम शुरू कर दिया।

ये हैं पांच युवा, जिन्होंने की रोटी बैंक की पहल

विवेक श्रीवास, अमित पटेरिया, रचित मालवीय, सुमित नायक और सेंट्रल लाइब्रेरी की प्रमुख वंदना शर्मा।

नया अनुभव मिला, मन को बेहद शांति मिल रही है

रोटी बैंक के सदस्य अमित पटेरिया ने बताया कि जरूरतमंदों को भोजन मुहैया कराने का नया अनुभव मिला। इस काम में बेहद शांति मिल रही है। हम लोग अपना अधिक समय किताबों को पढ़ने में ही बिताते हैं, लेकिन किताबों से ही मिली जानकारी ने हमें झकझोर कर रख दिया। वे कहते हैं कि हमें बेहद खुशी है कि हमारे मन में ऐसी अच्छी पहल करने का ख्याल आया।

रोटी बैंक कि रिपोर्ट को प्रकाशित कर समस्त रोटी बैंक के सदस्यो को प्रोत्साहित किया ।इस हेतू समस्त रोटी बैंक परिवार कि तरफ से भोपा...

Read more

बेनजीर कॉलेज में खुला रोटी बैंक, छात्र, प्रोफेसर रोज जमा करेंगे रोटी

नगर संवाददाता, भोपाल। राजधानी के डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरकारी कॉलेज पुराना बेनजीर में अनोखा बैंक खुला है। यहां गरीब वर्ग और अस्पतालों में भर्ती मरीजों के परिजनों के लिए खाना मुहैया कराने रोटी बैंक खोला गया है। इस रोटी बैंक की शुरुआत 30 अगस्त को हुई है। इस बैंक में कॉलेज आने वाले छात्रों और प्रोफेसर्स को रोजाना एक से अधिक रोटी लाना होगी। इन रोटियों को बैंक में जमा किया जाएगा। इसके बाद जमा रोटियां रोजाना हमीदिया, जेपी, एम्स अस्पतालों में भर्ती मरीजों के परिजनों को दी जाएंगे। इसके अलावा रोटियों जरूरतमंद गरीबों में भी बांटी जाएंगी। इस बैंक का शुभारंभ कॉलेज की प्राचार्य डॉ. विभा शुक्ला ने किया। इसका उद्देश्य छात्रों को सामाजिक कार्य से जोड़ना भी है।

भविष्य के अफसर चला रहे रोटी बैंक

करने के निर्देश दिए। 25 सितंबर को ब्रिज का लोकार्पण कार्यों का भी निरीक्षण किया।

प्रतिशत तक फीस बढ़ा सकता है। कि शनिवार को 21.9 डिग्री सेल्सियस था।

शहर के किसी कॉलेज में पहला रोटी बैंक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज के स्टूडेंट्स और फैकल्टी मेंबर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ ने की पहल

मरीज भूखे न रहें इसलिए प्राचार्य, प्रोफेसर व छात्र रोज लाते हैं रोटी

एजुकेशन रिपोर्टर| भोपाल

शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज (पुराना बेनजीर कॉलेज) असहायों की मदद करने के लिए आगे आया है और इसके लिए कॉलेज परिसर में रोटी बैंक बनाया गया है। ताकि ऐसे लोगों की मदद की जा सके जो मीलों दूर आकर शहर के अस्पताल में आकर अपना या अपने परिजनों का इलाज करा रहे हैं। इसमें कॉलेज में आने वाली प्राचार्य से लेकर टीचिंग फैकल्टी व नॉन टीचिंग स्टाफ के अलावा छात्र-छात्राओं से रोजाना एक से अधिक रोटी लाने की अपील की है। शुरुआती दिनों में ही रोटी के कलेक्शन की संख्या रोजाना ही 500 से 600 तक पहुंच रही है। इसमें बढ़ोतरी हो सकती है।

प्राचार्य डॉ. विभा शुक्ला ने बताया कि बीएससी के छात्र सुमित का लिखित आवेदन प्राप्त था। उसने मांग की थी कि वह कॉलेज में रोटी बैंक खोलना चाहता हूं। यह छात्र कुछ अस्पतालों में विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा चलाए जाने वाले लंगरों में जाकर उनकी साथ हाथ बंटाता था। इस छात्र ने परेशानी बताई कि अस्पतालों मरीजों के परिजनों कई बार पेटभर रोटी नहीं मिल पातीं। दो या तीन रोटी दी जाती है। जबकि वे

इससे अधिक की मांग कर लेते हैं। यह सुझाव असहाय लोगों की मदद करने वाला और छात्रों को सामाजिक सरोकार से जोड़ने वाला लगा। इसलिए यह रोटी बैंक शुरू किया गया। साथ ही तय किया गया कि इसमें सभी छात्रों व स्टॉफ की स्वैच्छिक रूप से भागीदारी कराई जाएगी। अब इसमें अन्य छात्र और फैकल्टी भी जुड़ रही है। इस बैंक की शुरुआत एक छोटे डिब्बे से की गई।

30 अगस्त से हुई थी रोटी बैंक की शुरुआत

छात्रसंघ प्रभारी डॉ. राजेश श्रीवास्तव के अनुसार रोटी बैंक की शुरुआत 30 अगस्त को की गई है। इस दिन से लगातार रोटी बैंक में छात्र व फैकल्टी अपनी सहभागिता दे रहे हैं। कॉलेज खुलने का समय सुबह 8:30 है। वहीं इसमें दोपहर 3 बजे तक रोटी कलेक्शन के लिए डिब्बा रख रखा है। इसके बाद अस्पतालों में यह रोटी पहुंचाई जाती हैं। इसमें छात्र भी आगे आते हैं। इसके लिए मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयं सेवा से जुड़े शिक्षकों व छात्रों का सहयोग है।

अभी 700 रोटियां, 2000 से ज्यादा जा सकती है संख्या

कॉलेज में 30 टीचिंग फैकल्टी, 15 नॉनटीचिंग स्टाफ और लगभग 2000 छात्र-छात्राएं हैं। इनमें यह रोजाना सिर्फ एक रोटी भी ला लाते हैं तो 2000 से अधिक संख्या में कलेक्शन होगा। इससे बड़ी संख्या में लोगों कम से कम एक वक्त की रोटी मिल सकेगी। यह काम सतत रूप से चले इसलिए इसके लिए छात्रों के ग्रुप बनाए जा रहे हैं। जिससे हर एक छात्र की सहभागिता तय हो सके। कॉलेज प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यह अनिवार्य नहीं है। लेकिन, सामाजिक सरोकार के लिए छात्र आगे आएं इसलिए उन्हें प्रेरित किया जा रहा है।

लगाई। वहीं, व्यापारियों के लिए पार्किंग का पास बनाने की मांग की

बेनजीर कॉलेज में खुला पहला रोटी बैंक

भोपाल। राजधानी के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय (बेनजीर कॉलेज) में पहला रोटी बैंक खोला गया है। यह सेवा कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत प्राध्यापक, कार्यालय स्टाफ, विद्यार्थियों के साझा सहयोग से संचालित होगीं। कॉलेज में आने वाले सभी लोग एक से अधिक रोटी लाकर जमा करेंगे। यह रोटियां एम्स समेत सभी शासकीय अस्पतालों के मरीजों को वितरित की जाएंगी। खुद का रोटी बैंक का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. विभा शुक्ला ने किया। इस अवसर पर डॉ. राकेश सक्सेना, डॉ. सरला पटेल, डॉ. जीपी यादव, एनएस अधिकारी, डॉ. सुधांशुधर द्विवेदी एवं छात्र संघ प्रभारी डॉ. राजेश श्रीवास्तव प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

संस्कार विद्याल